>

Title: Need to include caste category in the population census.

श्री लालू प्रसाद (सारण): मैडम, सन् 1931 तक देश में जनगणना जातीय आधार पर होती थी। देश में जनगणना होती थी उसमें बैकवर्ड क्लासेज़, सिटीजन्स ऑफ इंडिया जो हैं, ब्रैकेट में जाति लिखी जाती थी। अभी जो जनगणना हो रही है, मुझे बताया गया है कि उसमें ऐसा नहीं हो रहा है। लॉ मिनिस्टर जी ने भी कहा था कि जाति आधार पर जनगणना हो, लेकिन कहीं से प्रेशर आने के बाद एक साजिश के तहत वर्तमान में हो रही जनगणना से पिछड़े वर्ग को हटा दिया गया है। अब कैसे मालूम होगा कि बैकवर्ड क्लास वालों की संख्या क्या है और वे कैसे अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। इसलिए हमारी पुरजोर मांग है कि आप जनगणना कराएं, लेकिन जैसे सन् 1931 की तरह जनगणना होती थी, उस आधार पर कराएं और उसमें जाति को भी रखें। यह बहुत जबर्दस्त साजिश है, सरकार को इसे देखना चाहिए।...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): मैं भी अपने आपको लालू जी के इस मुद्दे से सम्बद्ध करता हूं।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): यह बहुत गम्भीर मामला है।

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, जनगणना से सम्बन्धित बहुत महत्वपूर्ण विषय उभर कर आ रहे हैं। एक विषय लालू जी ने अभी यहां रखा है। मेरा आपसे अनुरोध है कि नियम 193 के तहत इस पर एक सम्पूर्ण चर्चा कराई जाए ताकि इससे सम्बन्धित तमाम विषयों पर हम अपनी बातों को रख सकें। इसलिए बीएसी में इस पर निर्णय लिया जाए और जनगणना पर पूरी चर्चा कराई जाए।

SHRI V. NARAYANASAMY : If the notice is given in proper form, the hon. Speaker can consider that.

श्री लालू प्रसाद : इसी सत्र में कराई जाए, नहीं तो सोमवार को हम फिर यह मामला उठाएंगे।

अध्यक्ष महोदया: ठीक है, आप इस पर नोटिस दे दें।

श्री शरद यादव : सुषमा जी ने जो कहा, उस बारे में आपका क्या कहना है?

अध्यक्ष महोदया: मैंने उसे मान लिया है। आप उस बारे में नोटिस दे दें।